आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 307 | उज्जैन, शुक्रवार 26 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

राज्य सरकार के लिए मार्गदर्शक हैं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सुख की कामना करते हुए एकात्म मानववाद का दर्शन दिया। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता ही हमारी संस्कृति और गांवों की व्यवस्था का आधार रही है, यह स्वावलंबन की भावना ही पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों का आधार थी। पं. दीनदयाल उपाध्याय और महात्मा गांधी के विचारों में बहुत समानता थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पं. दीनदयाल उपाध्याय की 109वीं जयंती पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सिंदूर का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल के विचार राज्य सरकार के लिए मार्गदर्शक हैं। हम प्रदेश के गरीब से गरीब व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी सुधारों के माध्यम से देशवासियों को बड़ी सौगात दी है। इससे छोटे व्यापारियों और कारीगरों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और देश के किसानों, कारीगरों, छोटे व्यापारियों की बेहतरी के लिए सभी से स्वदेशी अपनाने का आव्हान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, संगठन मंत्री श्री हितानंद शर्मा, सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार ने मेडिकल एजुकेशन को बढ़ावा देने के UG और PG के लिए बढ़ाई इतनी सीटें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव की शुरुआत हो चुकी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को सरकारी संस्थानों में 5,000 नए पोस्टग्रेजुएट और 5,023 एमबीबीएस सीट्स के सृजन को मंजूरी दी है।

इसके साथ ही वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की क्षमता निर्माण और मानव संसाधन विकास योजना को 2,277 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ हरी झंडी दिखाई गई है।

ये कदम देश में कुशल डॉक्टरों और शोधकर्ताओं की संख्या बढ़ाने के लिए एक मजबूत कदम हैं। ये भारत को वैश्विक स्वास्थ्य और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में ले जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन फैसलों को देश के स्वास्थ्य और अनुसंधान क्षेत्र के लिए गेम-चेंजर बताया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में विस्तार से देश के हर कोने में कुशल डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जबकि छस्द्धक योजना नवाचार और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देगी। केंद्र और राज्य सरकार कितना पैसा देगी? चिकित्सा शिक्षा के लिए स्वीकृत तीसरे फेज की योजना 2025-29 तक 15,034 करोड़ रुपये की लागत से लागू होगी।

रक्षा मंत्रालय ने HAL के साथ की बड़ी डील, वायुसेना को मिलेंगे 97 तेजस लड़ाकू विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 97 तेजस जेट खरीदने के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 62,370 करोड़ रुपये का समझौता किया है।

97 तेजस जेट की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद सरकार ने कहा कि जेट विमानों की आपूर्ति 2027-28 में शुरू होगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ नए अनुबंध के तहत खरीदे जाने वाले तेजस जेट में 64 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी।

कैबिनेट अप्रूवल के एक महीने बाद हुई डील- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) द्वारा इस बड़ी खरीद को हरी झंडी दिए जाने के एक महीने से भी अधिक समय बाद कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया।

यह सरकारी एयरोस्पेस क्षेत्र की इस दिग्गज कंपनी को दिया गया दूसरा ऐसा अनुबंध है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए जेट विमानों की खरीद हेतु एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का समझौता किया था।

लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित को मिला प्रमोशन, मालेगांव ब्लास्ट केस में बरी होने के बाद मिली ये रैंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में बरी किए गए लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित को वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद कर्नल के पद पर पदोन्नत किया गया है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पुरोहित को उनकी पदोन्नति पर बधाई दी है और उन्हें देशभक्त बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, कर्नल पुरोहित को वर्दी में वापस आने पर बधाई। सरकार उन देशभक्तों के साथ दृढ़ता से खड़ी है जो साहस और निष्ठा के साथ देश की सेवा करते हैं।

अदालत ने किया बरी- पुरोहित उन सात आरोपियों में शामिल थे जिन्हें 31 जुलाई को विशेष एनआईए अदालत ने बरी कर दिया। अदालत ने कहा था कि मात्र संदेह सबूत की जगह नहीं ले सकता और उचित संदेह से परे विश्वसनीय और ठोस सबूतों के अभाव का हवाला दिया था।

9 साल जेल में रहे बंद- 29 सितम्बर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में एक मस्जिद के पास यह विस्फोट हुआ था, जिसमें छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हो गए थे। इस घटना के सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अंततः केवल सात लोगों पर ही मुकदमा चलाया गया। कर्नल पुरोहित 9 साल तक जेल में बंद रहे थे। उन्होंने कोर्ट में दलील दी थी कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया है। प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और भाजपा नेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर समेत सभी सात आरोपियों को इस साल 31 जुलाई को एनआईए की एक अदालत ने बरी कर दिया था।

शिप बिल्डिंग इंडस्ट्री को लगेंगे पंख, 70 हजार करोड़ का पैकेज मंजूर; चीन को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को कई महत्वपूर्ण फैसले लिए। इस दौरान कैबिनेट ने देश के जहाज निर्माण और समुद्री क्षेत्र को और मजबूती प्रदान करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये की बड़ी योजना को मंजूरी दी।

दरअसल, इस रकम में 24,736 करोड़ रुपये शिपबिल्डिंग फाइनेंशियल असिस्टेंस, 25,000 करोड़ रुपये मैरिटाइम डेवलपमेंट फंड और साथ ही 19000 करोड़ रुपये शिपबिल्डिंग डेवलपमेंट स्कीम के लिए प्रदान किए गए।

माना जा रहा है कि कैबिनेट के इस फैसले के बाद भारत में निवेश के दरवाजे खुलेंगे। चूंकि शिपबिल्डिंग के क्षेत्र में वर्तमान में चीन, जापान और कोरिया का दबदबा है। कैबिनेट का ये फैसला भारत को वैश्विक जहाज निर्माण दिग्गजों की कतार में खड़ा करने में काफी मदद करेगा।

केंद्रीय कैबिनेट के इस फैसले के बारे में जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जहाज निर्माण को गहन पूंजी की आवश्यकता है। ऐतिहासिक रूप से केवल वे देश ही जहाज निर्माण उद्योग को बचा पाए हैं, जिन्होंने इस उद्योग को पर्याप्त समर्थन दिया है।

पीएम मोदी ने इस पैकेज को समुद्री आत्मनिर्भरता के लिए एक परिवर्तनकारी कदम करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे 4.5 मिलियन सकल टन भार क्षमता का सृजन होगा और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

अब चलती ट्रेन से भी होगा दुश्मनों पर अटैक, रेल बेस्ड अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने रक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। भारत आने वाले समय में ट्रेन से भी मिसाइल दाग पाएगा। भारत ने अपनी नई पीढ़ी की मध्यम दूरी की अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। दरअसल, पहली बार ट्रेन से अग्नि-प्राइम मिसाइल का सफल टेस्ट हुआ है। यह मिसाइल 2,000 किलोमीटर तक की मारक क्षमता रखती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता के लिए बधाई दी है।

इजाजत नहीं मिली, 1962 के युद्ध में एयरफोर्स का इस्तेमाल करते तो...; चीन पर CDS का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच 1962 के युद्ध में यदि भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का उपयोग किया जाता, तो चीनी हमले को काफी हद तक रोका जा सकता था। यह बात चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कही है।

उन्होंने कहा कि उस समय वायुसेना का इस्तेमाल उग्र माना जाता था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं, जैसा कि हालिया ऑपरेशन सिंदूर में देखा गया।

जनरल चौहान ने यह टिप्पणी लेफ्टिनेंट जनरल एसपीपी थोराट की संशोधित आत्मकथा रेवेली टू रिट्रीट के पुणे में विमोचन के दौरान एक वीडियो संदेश में की।

जनरल चौहान ने कहा कि 1962 में अपनाई गई फॉरवर्ड पॉलिसी को लद्दाख और नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (एनईएफए, वर्तमान अरुणाचल प्रदेश) में एकसमान लागू करना गलत था। इन दोनों क्षेत्रों का विवाद का इतिहास और भौगोलिक स्थिति बिल्कुल अलग थी।

फॉरवर्ड पॉलिसी की गलती- सीडीएस ने कहा कि फॉरवर्ड पॉलिसी को लागू करने में एकरूपता ठीक नहीं थी। लद्दाख में चीन पहले ही भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर चुका था, जबकि एनईएफए में भारत का दावा मजबूत था। दोनों क्षेत्रों के लिए एक जैसी नीति अपनाना रणनीतिक भूल थी। जनरल चौहान ने बताया कि भू-राजनीति और सुरक्षा स्थिति अब पूरी तरह बदल चुकी है, जिसके चलते उस समय के फैसलों को आज के संदर्भ में आंकना मुश्किल है।

उन्होंने यह भी कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल थोराट ने वायुसेना के इस्तेमाल पर विचार किया था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। वायुसेना की तैनाती से न केवल चीनी आक्रमण धीमा पड़ता, बल्कि सेना को तैयारी के लिए अधिक समय भी मिलता।

तब वायुसेना का इस्तेमाल उग्र माना जाता था- जनरल चौहान ने बताया कि 1962 में वायुसेना का उपयोग न करना एक बड़ा अवसर चूकना था। छोटे टर्नअराउंड समय, अनुकूल भूगोल और अधिकतम पेलोड की क्षमता के कारण वायुसेना चीनी सेना पर भारी पड़ सकती थी। उस समय इसे ÷उग्र÷ माना गया, लेकिन मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर ने दिखाया कि अब वायुसेना का उपयोग सामान्य रणनीति का हिस्सा है। इस ऑपरेशन में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए वायु शक्ति का उपयोग किया था।

रूस का ये प्रिंटर सबकुछ कर देगा प्रिंट, इस खासियत की वजह से लाया जाएगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के हाई-सिक्योरिटी रोसाटॉम एडिटिव टेक्नोलॉजीज सेंटर में एक ऐसी क्रांति जन्म ले रही है, जो रॉकेट, रिएक्टर और शायद भविष्य की तकनीक को नया रूप दे सकती है।

बात हो रही है रूस का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉन बीम 3D प्रिंटर की जो टाइटेनियम को वेल्ड करता है, तराशता है और अंतरिक्ष मिशन और न्यूक्लियर रिएक्टर्स के लिए सटीक उपकरण बनाता है।

रूस 3D प्रिंटिंग यानी एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में दुनिया का अग्रणी देश है और अब यह तकनीक भारत की ओर बढ़ रही है। एनडीटीवी के अनुसार, रोसाटॉम स्टेट कॉर्पोरेशन के एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग बिजनेस यूनिट के निदेशक इल्या व्लादिमीरोविच कवेलाश्विली कहते हैं, ये 3छ प्रिंटर इतने उन्नत हैं कि ये मुद्रा नोटों को छोड़कर सबकुछ बना सकते हैं, क्योंकि नोट तो केवल फेडरल बैंक छापता है।

जल्द ही यह हाई-टेक प्रिंटर भारत में एक गुप्त स्थान पर स्थापित होगा। इस प्रिंटर की कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है।

भारत में मेक इन इंडिया को नई उड़ान- भारत ने रूस के साथ 1.5 अरब रूबल्स के बहु-वर्षीय डील समझौते किए हैं। इसमें एडिटिव उपकरण और सामग्री की आपूर्ति शामिल है। यह प्रिंटर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान को गति देगा। यह मशीन साधारण टाइटेनियम या स्टेनलेस स्टील के तार को लेकर जटिल उपकरण बना सकती है। इसलिए ये अंतरिक्ष और न्यूक्लियर क्षेत्र के लिए अहम हैं।

इस प्रिंटर की खासियत है इसकी इलेक्ट्रॉन बीम तकनीक, जो धातु को परत-दर-परत जोड़कर सटीक और मजबूत संरचनाएं बनाती है। यह तकनीक पारंपरिक मशीनिंग से कहीं आगे है, जो धीमी, सामग्री की बर्बादी करने वाली और जटिल डिजाइनों में सीमित है।

क्यों खास है 3D प्रिंटिंग- पारंपरिक मेटलवर्किंग में धातु के ब्लॉक को काटकर, पीसकर या लेथ मशीन से आकार दिया जाता है। इसमें समय और सामग्री दोनों की बर्बादी होती है। इसके विपरीत, 3छ प्रिंटिंग यानी एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल ब्लूप्रिंट के आधार पर धातु की परतों को जोड़कर जटिल संरचनाएं बनाती है। यह तकनीक न्यूनतम सामग्री बर्बाद करती है और ऐसे डिजाइन बना सकती है। ये पारंपरिक तरीकों से असंभव हैं।

लेजर मेल्टिंग और इलेक्ट्रॉन बीम मेल्टिंग जैसी उन्नत तकनीकों से धातु के कणों को सूक्ष्म सटीकता के साथ जोड़ा जाता है। इससे बने उत्पाद मजबूत, कम छिद्रयुक्त और उच्च ताप प्रतिरोधी होते हैं। ये अंतरिक्ष मिशन और न्यूक्लियर रिएक्टर्स के लिए आइडियल हैं। यह तकनीक प्रोटोटाइपिंग को भी तेज करती है। यानी महीनों का काम चंद दिनों में हो जाता है।

बच्चों को परेशान किया, मरने लायक ही था; US में भारतीय मूल के व्यक्ति ने किया यौन अपराधी का मर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 29 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति वरुण सुरेश ने 71 साल के सेक्स ऑफेंडर डेविड ब्रिमर की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस हमले को ÷टारगेटेड÷ बताया और मौके से ही सुरेश को गिरफ्तार कर लिया।

सुरेश ने कबूल किया कि उसका लंबे समय से सेक्स ऑफेंडर को मारने का इरादा था, क्योंकि वे बच्चे को नुकसान पहुंचाते हैं

और ऐसे लोगों को जीने का कोई हक नहीं है।

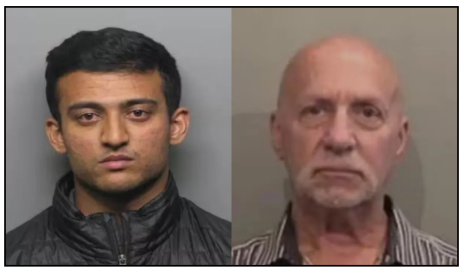

ब्रिमर 1995 में बाल यौन शोषण के लिए नौ साल जेल में रह चुका था। उसे कैलिफोर्निया के मेगन लॉ डेटाबेस के जरिए सुरेश ने निशाना बनाया। दोनों के बीच कोई पूर्व परिचय नहीं था। सुरेश ने एक सीपीए (सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट) बनकर ब्रिमर के घर पहुंचा, हाथ मिलाया और पुष्टि की कि वह सही इंसान से मिल रहा है।

जब ब्रिमर ने भागने की कोशिश की और मदद के लिए गाड़ियों को रोकने की नाकाम कोशिश की, वह दो ब्लॉक दूर एक पड़ोसी के गैरेज और किचन तक पहुंचा। सुरेश ने उसका पीछा किया, गले में चाकू मारा और पछतावा करने के लिए कहा। जैसे ही ब्रिमर रेंगकर बचने की कोशिश कर रहा था, सुरेश ने उसका गला रेत दिया। पुलिस को सुरेश के फोन में मेगन लॉ वेबसाइट से कई प्रोफाइल के स्क्रीनशॉट मिले, जिनमें ब्रिमर का स्क्रीनशॉट हमले से 45 मिनट पहले लिया गया था।

मैं राष्ट्रपति का पद छोड़ने को तैयार, रूस-यूक्रेन की जंग के बीच बोले जेलेंस्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से अधिक समय से युद्ध जारी है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह रूस के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति पद छोड़ने को तैयार हैं।

दरअसल, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने एक्सियोस समाचार वेबसाइट से बात करते हुए बताया कि रूस के साथ युद्ध समाप्त होने के बाद वह पद छोड़ने के लिए तैयार होंगे। इस बातचीत के दौरान जेलेंस्की ने कहा कि मेरा लक्ष्य युद्ध समाप्त करना है, न कि पद के लिए दौड़ना है।

रूस के खिलाफ सख्त कदम उठाने की तैयारी- जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में कहा कि रूस को रोका जाना चाहिए। उन्होंने इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पूरी दुनिया से रूस के खिलाफ सख्त कदम उठाने की अपील की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूरोप में जंग का विस्तार करना चाहते हैं। जेलेंस्की का कहना है कि हथियारों की विनाशकारी दौड़ में काफी आगे हैं और इसको नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

श्रीलंका मठ में केबल कार दुर्घटना में भारतीय भिक्षु समेत सात की मौत, छह घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिमी श्रीलंका के एक मठ में जाने के दौरान केबल के सहारे चलने वाले रेल कार्ट के पलट जाने से भारतीय समेत सात बौद्ध भिक्षुओं की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

यह घटना बुधवार रात कोलंबो से 125 किलोमीटर दूर निकावेराटिया में स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ ना उयाना अरण्य सेनासनया में हुई। यह अपने ध्यान शिविरों के लिए जाना जाता है और दुनिया भर से साधक यहां आते हैं। मरने वाले भिक्षुओं में एक भारतीय, एक रूसी और एक रोमानियाई नागरिक शामिल हैं। छह घायलों में से चार की हालत गंभीर है।

टैरिफ विवाद के बीच ढीले पड़े अमेरिका के तेवर, ट्रंप के अधिकारी बोले- मैं भारत का फैन हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। अमेरिका द्वारा लगाया गया यह टैरिफ पूरी दुनिया में सबसे अधिक है। ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले के बाद भारत और अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में तनाव आ गया है।

इस बीच अमेरिका फिर से नरम पड़ते नजर आ रहा है। अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने हाल में कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना चाहता है। उनका यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब ट्रंप ने कहा कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए।

दरअसल, न्यूयॉर्क फॉरेन प्रेस सेंटर में समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट कहा कि वाशिंगटन का इरादा नई दिल्ली पर दंडात्मक शुल्क लगाने का नहीं है। बल्कि उसका लक्ष्य यूक्रेन में मॉस्को की सैन्य कार्रवाईयों को समाप्त करना है।

राइट ने जोर देते हुए कहा कि अमेरिका भारत के साथ एक उज्ज्वल भविष्य देखता है और यूक्रेन संघर्ष पर अधिक समन्वय का आह्वान किया। राइट का कहना है कि दुनिया में बहुत सारे तेल निर्यातक हैं। भारत को रूसी तेल खरीदने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि भारत रूस से तेल इसलिए खरीदता है, क्योंकि वहां पर सस्ता है।

अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट ने कहा कि हम चाहते हैं कि भारत हमारे साथ मिलकर तेल खरीदे। आप दुनिया के हर देश से तेल खरीद सकते हैं, बस रूसी तेल नहीं। यही हमारा रुख है। अमेरिका के पास बेचने के लिए तेल है, और बाकी सभी के पास भी है।

डेनमार्क में सेना के एयरपोर्ट पर ड्रोन घुसपैठ के बाद दहशत, अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेनमार्क के आल्बोर्ग हवाई अड्डे को गुरुवार तड़के बंद कर दिया गया। ये कदम तब उठाया गया जब इसके हवाई क्षेत्र में संदिग्ध ड्रोन देखे गए। यह घटना कोपेनहेगन हवाई अड्डे पर दो दिन पहले हुई चार घंटे की उड़ान रुकावट के बाद आई।

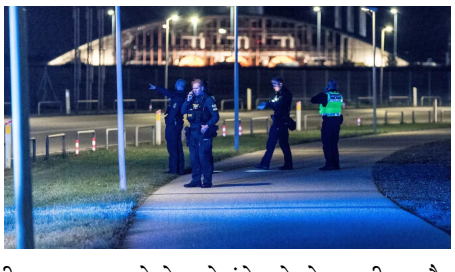

इस घटना को डेनमार्क ने अपनी बुनियादी ढांचे पर अब तक का सबसे गंभीर हमला बताया है। उत्तरी जटलैंड पुलिस ने बताया कि बुधवार रात 9ः44 बजे से ड्रोन दिखाई दिए।

ये ड्रोन तेज लाइट जलाते हुए उड़ रहे थे। यूरोकंट्रोल ने घोषणा की कि ड्रोन गतिविधि के कारण आल्बोर्ग में उड़ानें सुबह 4ः00 बजे तक पूरी तरह बंद रहेंगी।

आल्बोर्ग हवाई अड्डा न केवल व्यावसायिक उड़ानों के लिए बल्कि डेनमार्क की सेना के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह एक सैन्य अड्डे के रूप में कार्य करता है।

डेनिश सेना ने स्थानीय और राष्ट्रीय पुलिस के साथ जांच में सहयोग की बात कही, लेकिन आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने बताया कि तीन उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों की ओर मोड़ा गया है और यात्रियों या स्थानीय निवासियों के लिए कोई खतरा नहीं है।दक्षिणी डेनमार्क में भी ड्रोन की घुसपैठ

दक्षिणी जटलैंड पुलिस ने ङ्ग पर जानकारी दी कि एसबर्ग, सोंडरबोर्ग, और स्क्रिडस्ट्रुप हवाई अड्डों के पास भी ड्रोन देखे गए, जहां डेनमार्क के स्न-16 और स्न-35 लड़ाकू विमान तैनात हैं।

US ने कश्मीर मुद्दे पर दी पाकिस्तान को टेंशन, पीएम मोदी–ट्रंप की मुलाकात पर भी आया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच जल्द ही एक मुलाकात होने की संभावना है। इसके साथ ही अमेरिका ने यह भी साफ कर दिया है कि वह कश्मीर मुद्दे पर कोई भी मध्यस्थता करने की मंशा नहीं रखता है। इससे पाकिस्तान को गहरा झटका लगा है।

गुरुवार को समाचार एजेंसी एएनआई ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं के बीच सकारात्मक रिश्ते को देखते हुए यह बैठक तय मानी जा रही है। हालांकि, इस मुलाकात के समय और स्थान को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

अमेरिकी अधिकारी ने कहा, मुझे यकीन है कि आप दोनों को मिलते देखेंगे। उनका रिश्ता बहुत ही सकारात्मक है।

अधिकारी ने कहा, मुझे यकीन है कि आप दोनों (मोदी और ट्रंप) की मुलाक़ात देखेंगे। उनके बीच बहुत ही सकारात्मक संबंध हैं। हमारे पास क्वाड शिखर सम्मेलन है और हम इसकी योजना पर काम कर रहे हैं। किसी न किसी समय यह होगा, अगर इस साल नहीं तो अगले साल। हम इसकी तारीखों पर काम कर रहे हैं। इसलिए अमेरिका-भारत संबंधों में बहुत कुछ होने वाला है, और मुझे लगता है कि हम लगातार सकारात्मक गति देखेंगे।

कश्मीर मुद्दे पर क्या दिया बयान- अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी ने कहा कि अमेरिका का भारत और पाकिस्तान को एक साथ रखने का कोई इरादा नहीं है, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन कश्मीर मुद्दे पर मध्यस्थता करने का इरादा नहीं रखता है।

कोलकाता गेस्ट हाउस में लगी भीषण आग, मौके पर पहुंची दमकल की टीम

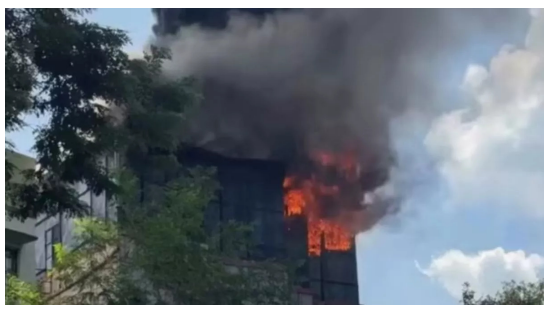

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक चार मंजिला इमारत की चौथी मंजिल में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। दक्षिणी कोलकाता में इमारत के चौथी मंजिल पर ब्लू चेरी गेस्ट हाउस में गुरुवार दोपहर दो बजे आग लगी।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगने से किसी भी जान-माल के नुकसान की तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझाने में लगे हुए हैं।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आग बुझाने का काम जारी है, यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई अंदर फंसा न हो। उन्होंने बताया कि पहली नजर में आग शॉर्ट सर्किट के लगने की आशंका जताई जा रही है। जांच जारी है।

बारिश के बाद अब आग ने बढ़ाई चिंता

भारी बारिश की मार झेल रहे कोलकाता में आग लगने से चिंता बढ़ गई है। इससे पहले बंगाल में बाशिर के कारण 11 लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें 9 लोग बारिश के कारण करंट की चपेट में आने से मौत की चपेट में आ गए वहीं दो लोगों की पड़ोसी जिले में मौत हुई है।

भारी बारिश के कारण सड़कें तालाब में तब्दील हो गई हैं। यातायात प्रभावित हो रहा है। बारिश के कारण मेट्रो और रेल सेवाओं को बाधित कर दिया है साथ ही हवाई यात्रा को भी अस्त-व्यस्त कर दिया है। सीएम ममता बनर्जी ने बारिश के कारण जान गंवाने वालों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है।

प्रॉपर्टी के लिए हत्यारा बने पत्नी और बेटा... तड़प-तड़पकर हुई पुलिसवाले की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई के प्रतीक्षा नगर पुलिस क्वार्टर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक 52 साल के कॉन्स्टेबल की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। परिवार वालों ने इस मौत को दुर्घटनावश करार दिया। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद सच्चाई कुछ और ही निकली। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस कॉन्स्टेबल की पत्नी और बेटे के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। दोनों की गिरफ्तारी कर ली गई है। मृतक का नाम प्रवीण सूर्यवंशी है, जो शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में तैनात थे।

पूरा मामला 9 सितंबर का है। अपने आवास पर प्रवीण सूर्यवंशी अपने सरकारी आवास में मृत पाए गए थे। शुरुआत में पुलिस ने इस मामले में पहले एडीआर दर्ज किया। इसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। इसके बाद जब पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई, तो पाया गया कि पुलिसकर्मी की मौत नेचुरल डेथ नहीं थी। उसके शरीर पर कई चोट के निशान थे। इसके बाद पुलिस को शक हुआ फिर रिश्तेदारों से पूछताछ शुरू की गई। जांच के दौरान प्रवीण के भाई और अन्य रिश्तेदारों ने दावा किया कि उनकी मृत्यु एक्सीडेंटल नहीं थी।

कौन हैं सुरेखा यादव जो 30 सितंबर को होंगी रिटायर? आनंद महिंद्रा ने भी दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट, सुरेखा यादव इस महीने की 30 तारीख को रिटायर होने जा रही हैं। उन्होंने करीब 36 साल तक लोकोमोटिव पायलट के तौर पर अपनी सेवा दी है।

दरअसल, मध्य रेलवे (सीआर) ने गुरुवार को इस बारे में जानकारी दी है। ट्रेन संख्या 22222, हजरत निजामुद्दीन-सीएसएमटी राजधानी एक्सप्रेस से शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) पहुंचने पर सुरेखा यादव का उनके साथियों ने जोरदार स्वागत किया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने पोस्ट में मध्य रेलवे (सीआर) ने लिखा कि एशिया की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर, 36 वर्षों की शानदार सेवा के बाद 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होंगी।

पोस्ट में आगे लिखा गया कि एक सच्ची पथप्रदर्शक, उन्होंने बाधाओं को तोड़ा, अनगिनत महिलाओं को प्रेरित किया और साबित किया कि कोई भी सपना अधूरा नहीं है। उनकी यात्रा भारतीय रेलवे में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बनी रहेगी।

वहीं, पहली महिला लोकोमोटिव की रिटायरमेंट पर महिंद्रा समूह के अध्यक्ष आनंद महिंद्रा ने एक भावपूर्ण संदेश पोस्ट किया। अपने पोस्ट में उन्होंने सुरेखा यादव सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

100 साल से हो रहा, इसके रुकने से आपको क्या मिलेगा; रामलीला विवाद में सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्ष न्यायालय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें यूपी के फिरोजाबाद जिले के एक विद्यालय में रामलीला उत्सव के आयोजन पर रोक लगाने की बात कही गई थी।

दरअसल, इस मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस शर्त पर रामलीला के आयोजन की अनुमति दी है कि विद्यालय के किसी भी छात्र को कई परेशानी ना हो सके।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर स्ट्र ने लगाई रोक-पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के उस पैराग्राफ पर रोक लगा दी है, जिसमें कहा गया कि हालांकि हम स्कूल मैदान में धार्मिक उत्सव आयोजित करने की अनुमति नहीं देते, लेकिन यह रामलीला पिछले 100 वर्षों से चली आ रही है और इस वर्ष उत्सव 14 सितंबर से शुरू हुआ था।

बता दें कि न्यायालय ने श्रीनगर रामलीला महोत्सव की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। वहीं, हाईकोर्ट से जिला प्रशासन को भविष्य में किसी अन्य स्थल के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश देने का अनुरोध किया।

एचसी से सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा- शीर्ष न्यायालय की पीठ ने याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय से कहा कि वह अगली सुनवाई की तारीख पर श्री नगर रामलीला महोत्सव पर अन्य हितधारकों के साथ सुनवाई करे और एक अन्य स्थल के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करे।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता प्रदीप सिंह राणा की भी इस बात के लिए खिंचाई की कि उन्होंने अपनी शिकायत पहले नहीं की। साथ ही 14 सितंबर को शुरू होने वाले इस महोत्सव के बाद मामला दायर किया। पीठ ने इस पीआईएल पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह रामलीला 100 वर्षों से चली आ रही है और आप भी इस तथ्य को स्वीकार करते हैं।

शराब के नशे में युवक-युवती ने वंदे भारत ट्रेन में जमकर मचाया उत्पात, आरपीएफ जवानों को दिखाए 500-500 के नोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हजरत निजामुद्दीन से रानी कमलापति स्टेशन जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस में गत मंगलवार को शराब के नशे में धुत युवक-युवती ने जमकर हंगामा मचाया। दोनों ने ट्रेन में मौजूद ऑनबोर्डिंग स्टाफ के साथ ही सहयात्रियों के साथ ही अभद्र व्यवहार किया, जिसके बाद कंट्रोल से मिली सूचना के आधार पर आरपीएफ के जवानों ने युवक-युवती को ट्रेन से उतार लिया।

स्टेशन पर भी दोनों के तेवर कम नहीं हुए, बल्कि युवती ने अपने पर्स से 500-500 रुपये के नोट निकालकर आरपीएफ के जवानों को दिखाए और अपशब्द कहे। इसके बाद दोनों को थाने लाकर मामला दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्री बबलू और नेहा शुक्ला हजरत निजामुद्दीन स्टेशन सी-2 कोच की सीट नंबर 50 व 51 पर सवार हुए। वे नशे में धुत थे।

समझाने पर स्टाफ के साथ किया झगड़ा- ट्रेन जैसे ही सफर में आगे बढ़ी, तो दोनों ने कोच में शराब के नशे में हंगामा करना शुरू कर दिया। इससे ट्रेन में बैठे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जब उन्हें ट्रेन में मौजूद स्टाफ ने समझाने की कोशिश की, तो दोनों ने स्टाफ से भी झगड़ा शुरू कर दिया।

प्लेटफॉर्म पर किया हंगामा- ट्रेन जैसे ही आगरा से निकली तो इसकी शिकायत कंट्रोल को मैसेज के माध्यम से की गई। ट्रेन जब ग्वालियर स्टेशन पहुंची तो आरपीएफ के जवानों ने दोनों को ट्रेन से बाहर निकाला। जब आरपीएफ ने नशे में धुत युवक-युवती को ट्रेन से उतारा तो दोनों प्लेटफॉर्म पर भी हंगामा करने लगे।

युवक-युवती पर किया गया मामला दर्ज- प्लेटफॉर्म पर आने-जाने वाले यात्रियों से सिगरेट की मांग करने लगे। ऐसे में आरपीएफ के जवान युवक-युवती को लेकर थाने आए। पूछताछ में दोनों स्वयं को पति-पत्नी बता रहे थे और उन्होंने अपना निवास भोपाल बताया।

आरपीएफ टीआई मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि कंट्रोल से मिले मैसेज के बाद वंदे भारत से नशे में धुत युवक-युवती को उतारा गया और उनसे पूछताछ की गई तो पुलिस से ही अभद्रता करने लगे। दोनों युवक-युवती पर ही मामला दर्ज किया गया है।

भारत के स्टील मैन ने अपने नाम किया 17वां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, ताकत देख पूरी दुनिया रह गई दंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर भारतीय मार्शल आर्टिस्ट विस्पी खराड़ी को स्टील मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है। हमेशा वह अपने नए कीर्तिमान से दुनिया को हैरान करते हैं। इन सब के बीच उन्होंने एक बार फिर से कुछ ऐसा किया, जिसने पूरी दुनिया को हैरान किया है।

दरअसल, विस्पी खराड़ी ने अपनी ताकत से नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने हरक्यूलिस पिलर्स चैलेंज में 261 किलोग्राम (575.4 पाउंड) का वजन सफलतापूर्वक उठाया। बताया जाता है कि इस श्रेणी में किसी पुरुष द्वारा उठाया गया सबसे भारी वज़न का रिकॉर्ड है। पंजाब के अटारी बॉर्डर पर पंजाब के अटारी बॉर्डर पर को उन्होंने ये कर दिखाया।

एक मिनट तक उठाया ये वजब- गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, दोनों खंभे का वजन करीब आधे पोलर बीयर के बराबर था। इसके 1 मिनट तक उठाना था। विस्पी ने इससे अधिक ही इस वजन को उठाए रखा। इस रिकॉर्ड ने वहां मौजूद लोगों को हैरान कर दिया। बाद में इन खंभों को कई लोगों ने मिलकर दूसरी जगह पर रखा।

इस उपलब्धि को विस्पी ने भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया- अपनी इस बड़ी उपलब्धि को विस्पी खराड़ी भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने अपने गुरु शिहान और हंशी को उनके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि विस्पी का यह 17वां गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

बता दें कि विस्पी का हरक्यूलिस पिलर्स के साथ एक मजबूत इतिहास रहा है। साल 2024 नवंबर में उन्होंने 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन के साथ, 2 मिनट 10.75 सेकंड में हरक्यूलिस पिलर्स (पुरुष) को सबसे लंबे समय तक थामे रखने का रिकॉर्ड बनाया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

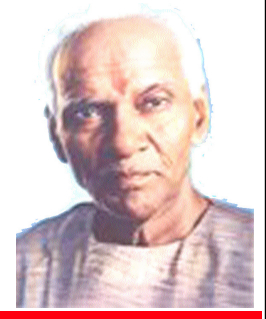

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

वैश्विक स्तरपर हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं...

हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है।कोई स्वास्थ्यता से डैमेज होकर दिव्यांग है तो कोई विश्व कासबसे स्वस्थ व्यक्ति।कोई बच्चा फुटपाथ पर जीवन जी रहा है तो कोई महलों में है। हालांकि इस स्थिति को किस्मत का खेल भी हम मानते हैं परंतु इस बात से हम इनकार नहीं कर सकते कि अगर एक माली या किसान जमीन में कोई बीज बोकर उसका सतर्कता से ध्यान रखना है,अंकुरित होकर पौधा होने तक उसका पूरा ध्यान रखना है तो अधिकतम संभावना उसके फलदार वृक्ष बनकर आजीवन स्वस्थ उत्पादकता बनी रहती है, जिसकी नीव उसे अंकुरित बीज की देखभाल करने से पड़ी! ठीक उसी तरह अगर हम अपने बच्चों के स्वास्थय, जीवन शैली, स्वस्थ्य विकास,गुणवत्ता सुधार पर उनके बचपन से ही गंभीरता व सतर्कता से ध्यान देंगे तो उनमें गुण ही अंकुरित होते जाएंगे उनके स्वास्थ्य व स्वस्थ्य विकास के फल उनके जीवन पर्यंत मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्ता सुधार स्वस्थ्य विकास रूपी बीज बोकर उन्हें जीवन पर्यंत स्वस्थ व फलदार वृक्ष रूपी गुणवान बनाएं।

साथियों बात अगर हमह्न हम बच्चों के स्वास्थ्य की करें तो ,परिवार और उनकी मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति अपना समर्थन दिखाते हैं परिवार की आय बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक बच्चों के उपचार के लिए कोई समर्पित सुविधा नहीं थी। उनका इलाज घर पर ही किया जाता था और अगर परिवारों के लिए यह विकल्प नहीहोता था , उस समय बच्चों के स्वास्थ्य की समझ को परिभाषित नहीं किया गया था और अक्सर परित्यक्त और अनाथ बच्चों को शिशु आश्रय गृहों में छोड़ दिया जाता था। अब समय के विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे की करें तो,पिछले दशकों में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का जीवित रहना वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे का मुख्य केंद्र रहा है। परिणाम स्वरूप, 1990 और 2019 के बीच वैश्विक बाल मृत्यु दर में 60 प्रतिशत की कमी आई। 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 5.2 मिलियन मौतों में से कई मौतें कमज़ोर आबादी में केंद्रित थीं, विशेष रूप से उप सहारा अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में।इस बात के प्रमाण के आधार पर कि आजीवन स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जाती है, स्वास्थ्य क्षेत्र की यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है कि बच्चे न केवल जीवित रहें, बल्कि फलते-फूलते रहें। सतत विकास लक्ष्यों में छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं,जो मानव पूंजी उत्पन्न करता है जो हर बच्चे का अधिकार है, और न्यायसंगत और सतत प्रगति के लिए आवश्यक है। एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुरक्षात्मक वातावरण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें और विकसित हो सकें। बता दें 12-14 नवंबर 2024 को मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए रणनीतिक और तकनीकी सलाहकार समूह के विशेषज्ञों की 10 वीं बैठक का एजेंडा विश्व बैंक द्वारा तैयार कर लिया गया है।

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

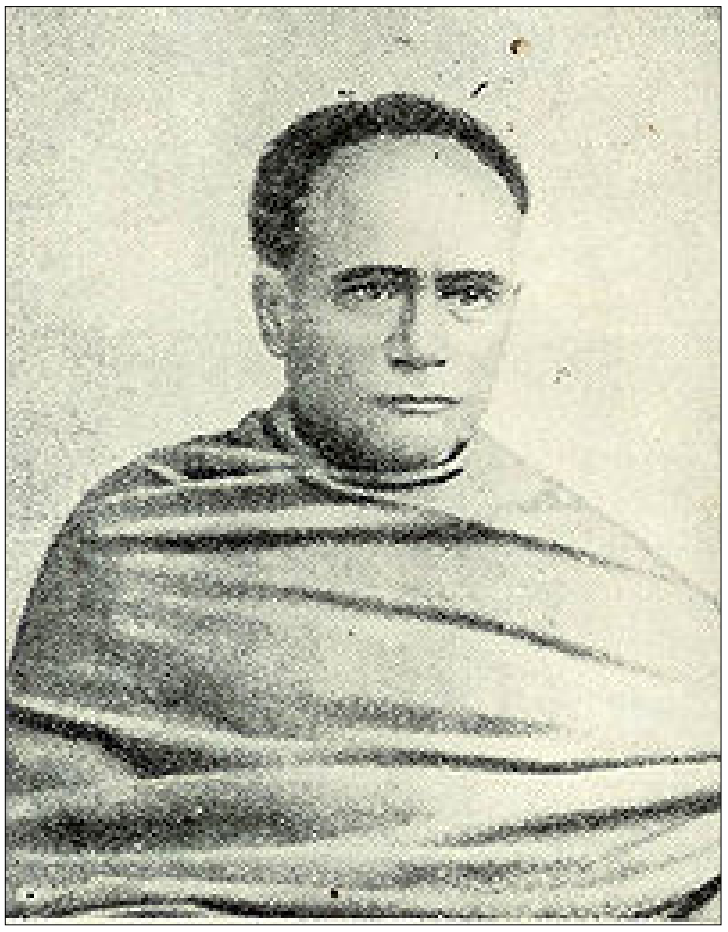

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर भारत के प्रसिद्ध समाज सुधारक, शिक्षा शास्त्री व स्वाधीनता सेनानी थे। वे ग़रीबों व दलितों के संरक्षक माने जाते थे। उन्होंने स्त्री-शिक्षा और विधवा विवाह पर काफ़ी ज़ोर दिया। ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने मेट्रोपोलिटन विद्यालय सहित अनेक महिला विद्यालयों की स्थापना करवायी तथा वर्ष 1848 में वैताल पंचविंशति नामक बंगला भाषा की प्रथम गद्य रचना का भी प्रकाशन किया। नैतिक मूल्यों के संरक्षक और शिक्षाविद विद्यासागर जी का मानना था कि अंग्रेज़ी और संस्कृत भाषा के ज्ञान का समन्वय करके ही भारतीय और पाश्चात्य परंपराओं के श्रेष्ठ को हासिल किया जा सकता है।

जन्म तथा शिक्षा

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर का जन्म 26 सितम्बर, 1820 को पश्चिमी मेदिनीपुर ज़िला, पश्चिम बंगाल में एक निर्धन धार्मिक परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम ठाकुरदास बन्धोपाध्याय था और माता भगवती देवी थीं। इनका बचपन बेहद ग़रीबी में व्यतीत हुआ था। गाँव के स्कूल से ही प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद छ- वर्ष की आयु में ही ईश्वर चन्द्र पिता के साथ कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) आ गये थे। वह कोई भी चीज़ बहुत जल्दी सीख जाते थे। उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के कारण उन्हें विभिन्न संस्थानों द्वारा कई छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई थीं। वे उच्चकोटि के विद्वान् थे। उनकी विद्वता के कारण ही उन्हें विद्यासागर की उपाधि दी गई थी।

व्यावसायिक जीवन की शुरुआत

अपने परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से ही ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने अध्यापन कार्य प्रारंभ किया। वर्ष 1839 में ईश्वर चन्द्र ने सफलता पूर्वक अपनी क़ानून की पढ़ाई संपन्न की। वर्ष 1841 में मात्र इक्कीस वर्ष की आयु में उन्होंने संस्कृत के शिक्षक के तौर पर फ़ोर्ट विलियम कॉलेज में पढ़ाना शुरू कर दिया। पाँच साल बाद फ़ोर्ट विलियम कॉलेज छोड़ने के पश्चात् ईश्वर चन्द्र विद्यासागर संस्कृत कॉलेज में बतौर सहायक सचिव नियुक्त हुए। पहले ही वर्ष उन्होंने शिक्षा पद्धति को सुधारने के लिए अपनी सिफारिशें प्रशासन को सौप दीं। लेकिन उनकी रिपोर्ट ने उनके और तत्कालीन कॉलेज सचिव रसोमय दत्ता के बीच तकरार उत्पन्न कर दी, जिसकी वजह से उन्हें कॉलेज छोड़ना पड़ा। लेकिन 1849 में ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को साहित्य के प्रोफ़ेसर के रूप में संस्कृत कॉलेज से एक बार फिर जुड़ना पड़ा। इसके बाद 1851 में वह इस कॉलेज के प्राधानचार्य नियुक्त किए गए, लेकिन रसोमय दत्ता के अत्यधिक हस्तक्षेप के कारण ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को संस्कृत कॉलेज से त्यागपत्र देना पड़ा, जिसके बाद वह प्रधान लिपिक के तौर पर दोबारा फ़ोर्ट विलियम कॉलेज में शामिल हुए।

समाज सुधार

अपने समाज सुधार योगदान के अंतर्गत ईश्वर चन्द्र विद्यासागर ने देशी भाषा और लड़कियों की शिक्षा के लिए स्कूलों की एक श्रृंखला के साथ ही कलकत्ता में मेट्रोपॉलिटन कॉलेज की स्थापना भी की। उन्होंने इन स्कूलों को चलाने में आने वाले खर्च का बीड़ा उठाया और अपनी बंगाली में लिखी गई किताबों, जिन्हें विशेष रूप से स्कूली बच्चों के लिए ही लिखा गया था, की बिक्री से फंड अर्जित किया। ये किताबें हमेशा बच्चों के लिए महत्त्वपूर्ण रहीं, जो शताब्दी या उससे भी अधिक समय तक पढ़ी जाती रहीं। जब विद्यासागर जी कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज के प्रधानाचार्य बनाये गए, तब उन्होंने कॉलेज सभी जाति के छात्रों के लिए खोल दिया। ये उनके अनवरत प्रचार का ही नतीजा था कि विधवा पुनर्विवाह क़ानून-1856 आखिरकार पारित हो सका। उन्होंने इसे अपने जीवन की एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि माना था। विद्यासागर जी ने अपने इकलौते पुत्र का विवाह भी एक विधवा से ही किया। उन्होंने बहुपत्नी प्रथा और बाल विवाह के ख़िलाफ़ भी संघर्ष छेड़ा।

प्रेरक प्रसंग

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर की विनम्रता एवं संस्कारशीलता की प्रशंसा सर्वत्र होती थी। यही नहीं देशभक्ति की भावना भी उनमें आत्मा की गहराई तक विद्यमान थी। इसी वजह से वे सभी की श्रद्धा के पात्र थे। उनसे सम्बन्धित कुछ प्रेरक प्रसंग इस प्रकार हैं-

बात उन दिनों की है जब ईश्वरचन्द्र विद्यासागर संस्कृत कॉलेज के आचार्य थे। एक बार विद्यासागर जी किसी कार्य से प्रेसीडेंट कॉलेज के अंग्रेज़ आचार्य कैर से मिलने गए। जब विद्यासागर जी ने कैर के कमरे में प्रवेश किया तो उनका स्वागत करना तो दूर, कैर जूते पहने मेज पर पैर फैलाए बैठा रहा। ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को ये सब बड़ा अप्रिय लगा, किंतु वे चुपचाप इस अपमान को सहन कर गए और आवश्यक चर्चा कर वापस लौट आए। इस घटना के कुछ दिनों बाद किसी काम से कैर भी विद्यासागर के कॉलेज आया। उन्हें देखकर विद्यासागर जी ने चप्पलों सहित अपने पैर उठाकर मेज पर फैला लिए और आराम से कुर्सी पर बैठे रहे। उन्होंने कैर से बैठने के लिए भी नहीं कहा। कैर ने उनके इस व्यवहार की शिकायत लिखित रूप से शिक्षा परिषद के सचिव डॉ. मुआट से की। तब डॉ. मुआट कैर को लेकर विद्यासागर के पास गए और उनसे कारण पूछा। इस पर विद्यासागर जी ने कहा- ÷हम भारतीय अंग्रेज़ों से ही यूरोपीय शिष्टाचार सीखते हैं। जब मैं इनसे मिलने गया था तो ये इसी तरह बैठे थे। मैंने इसे यूरोपीय शिष्टाचार समझा और इसका अनुसरण किया। इन्हें नाराज करने का मेरा कोई इरादा नहीं था।÷ कैर ने शर्मिंदा होकर विद्यासागर जी से क्षमा मांगी।

एक बार ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को इंग्लैंड में एक सभा की अध्यक्षता करनी थी। उनके बारे में यह मशहूर था कि उनका प्रत्येक कार्य घड़ी की सुई के साथ पूर्ण होता है अर्थात् वे समय के बहुत पाबंद थे। वे लोगों से भी यही अपेक्षा रखते थे कि वे अपना कार्य समय पर करें। विद्यासागर जी जब निश्चित समय पर सभा भवन पहुँचे तो उन्होंने देखा कि लोग सभा भवन के बाहर घूम रहे हैं और कोई भी अंदर नहीं बैठा है। जब उन्होंने इसका कारण पूछा तो उन्हें बताया गया कि सफाई कर्मचारियों के न आने के कारण अभी भवन की सफाई नहीं हुई है। यह सुनते ही विद्यासागर जी ने एक क्षण भी बिना गंवाए झाड़ू उठा ली और सफाई कार्य प्रारम्भ कर दिया। उन्हें ऐसा करते देख उपस्थित लोगों ने भी कार्य शुरू कर दिया। देखते ही देखते सभा भवन की सफाई हो गई और सारा फ़र्नीचर यथास्थान लगा दिया गया। जब सभा आरंभ हुई तो ईश्वर चन्द्र विद्यासागर बोले- ÷कोई व्यक्ति हो अथवा राष्ट्र, उसे स्वावलंबी होना चाहिए। अभी आप लोगों ने देखा कि एक-दो व्यक्तियों के न आने से हम सभी परेशान हो रहे थे। संभव है कि उन व्यक्तियों तक इस कार्य की सूचना न पहुँची हो या फिर किसी दिक्कत के कारण वे यहाँ न पहुँच सके हों। क्या ऐसी दशा में आज का कार्यक्रम स्थगित कर दिया जाता? यदि ऐसा होता तो कितने व्यक्तियों का आज का श्रम और समय व्यर्थ हो जाता। सार यह है कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वावलंबी होना चाहिए और वक्त पड़ने पर किसी भी कार्य को करने में संकोच नहीं करना चाहिए।

यह प्रसंग ब्रिटिश हुकूमत से जुड़ा है। बंगाल में नील की खेती करने वाले अंग्रेज़ों, जिन्हें नील साहब या निलहे साहब भी कहा जाता था, के अत्याचार बहुत बढ़ गये थे। लोगों का जीवननरकबन गया था। इसी जुल्म के ख़िलाफ़ कहीं-कहीं आवाजें भी उठने लगी थीं। ऐसी ही एक आवाज को कलकत्ता रंगमंच के कुछ युवा कलाकार बुलंदी की ओर ले जाने की कोशीश में थे। ये कलाकार अपने नाटकों के द्वारा अंग्रेज़ों की बर्बरता का मंचन लोगों के बीच कर विरोध प्रदर्शित करते रहते थे। ऐसे ही एक मंचन के दौरान इन युवकों ने ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को भी आमंत्रित किया। उनकी उपस्थिति में युवकों ने इतना सजीव अभिनय प्रस्तुत किया कि दर्शकों के रोंगटे खड़े हो गये। विशेषकर निलहे साहब की भूमिका निभाने वाले युवक ने तो अपने चरित्र में प्राण डाल दिये थे।

पिरामल एंटरप्राइजेज और पिरामल फाइनेंस के विलय को NCLT ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीएलटी ने 10 सितंबर, 2025 को पिरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (पीईएल) को उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, पिरामल फाइनेंस लिमिटेड (पीएफएल) के साथ विलय करने की मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण कदम के साथ, आनंद पिरामल पिरामल फाइनेंस के अध्यक्ष का पद संभालेंगे। अजय पिरामल, पिरामल ग्रुप (जिसमें पिरामल फाइनेंस, पिरामल फार्मा, पिरामल रियलिटी, और पिरामल फाउंडेशन शामिल हैं) के अध्यक्ष बने रहेंगे और सभी व्यवसायों के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण और निरीक्षण प्रदान करेंगे। डॉ. स्वाति पिरामल ग्रुप की उपाध्यक्ष के रूप में काम करती रहेंगी।

रिटेल लेंडिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत- 2019 में शामिल होने के बाद से, आनंद ने रिटेल लेंडिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत की, डीएचएफएल का 34,250 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक अधिग्रहण (आईबीसी के तहत सबसे बड़ा वित्तीय सेवा समाधान) किया, और कंपनी को थोक रियल एस्टेट लैंडिंग से एक विविध, प्रौद्योगिकी - नेतृत्व वाली एनबीएफसी में बदलने का नेतृत्व किया।

उनके नेतृत्व में, ग्रोथ बिजनेस (रिटेल और होलसेल 2.0) ने तीन साल में 50त्न से अधिक की सीएजीआर (चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर) दी है, जिससे पिरामल फाइनेंस भारत की सबसे तेजी से बढ़ती अपर लेयर एनबीएफसी में से एक बन गई है। उन्होंने 2022 में 43,500 करोड़ की विरासत वाली संरचित रियल एस्टेट बुक को आज ?5,900 करोड़ से कम करने का भी निरीक्षण किया। आनंद ने प्रमुख संस्थानों से वरिष्ठ प्रतिभाओं को आकर्षित किया है, जिनमें रूपेन झावेरी (ग्रुप प्रेसिडेंट), जयराम श्रीधरन (सीईओ रिटेल लैंडिंग), यश नाडकर्णी (सीईओ - होलसेल लैंडिंग), और कल्पेश किकानी (सीईओ अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट्स) शामिल हैं।

आनंद ने पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डिग्री और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए किया है। उन्हें इकोनॉमिक टाइम्स और फॉर्च्यून इंडिया की 40 अंडर 40 लिस्ट में मान्यता मिली है, और हुरुन रियल एस्टेट यूनिकॉर्न ऑफ द ईयर अवार्ड भी मिला है।

आपके घर इस्तेमाल होने वाले 516 सामानों से कौन सी सरकार करती है कितनी कमाई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 सितंबर से देश में नई जीएसटी दरें लागू हो गई हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जीएसटी कितने प्रकार का होता है या फिर यूं कहें कि आप जो सामान खरीदते हैं तो उस पर आपको कितने तरह का टैक्स देना होता है?

दरअसल, जीएसटी दो हिस्सों में बंटा होता है- पहला ष्टत्रस्ञ्ज और दूसरा SGST सीजीएसटी यानी Central GST, यह हिस्सा केंद्र सरकार को जाता है। एसजीएसटी यानी State GST, यह हिस्सा राज्य सरकार के पास जाता है। अगर सामान एक राज्य से दूसरे राज्य में जाता है तो उस पर IGST लगता है। इसे केंद्र सरकार वसूलती है और बाद में राज्यों में बांट देती है।

जीएसटी सुधारों के साथ सरकार ने सीजीएसटी लगने वाले सामानों की लिस्ट भी जारी की है। इसमें बताया गया है कि सरकार 516 तरह के सामानों पर सिर्फ 2.5त्न, 640 तरह के सामानों पर 9त्न, 6 तरह के सामानों पर 14त्न और 13 तरह के सामानों पर 20त्न सीजीएसटी लागू होगा।

इसके अलावा 15 तरह के सामानों पर 1.5त्न और 174 सामानों पर शून्य टैक्स रहेगा। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आप जो सामान खरीदते हैं उस पर चुकाए गए जीएसटी से आप कितना टैक्स राज्य सरकार को देते हैं और कितना टैक्स केंद्र सरकार। तो आइए इसका कैलकुलेशन भी समझते हैं।

मुकेश अंबानी की Reliance Consumer ने मोदी सरकार के साथ की बड़ी डील, 40000 करोड़ से होगा ये बड़ा काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुकेश अंबानी की रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने केंद्र की मोदी सरकार के साथ एक बड़ा समझौता किया है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने जानकारी दी कि कंपनी ने इंटीग्रेटेड फूड मैन्यूफैक्चरिंग फेसेलिटि यूनिट स्थापित करने के लिए Ministry of Food Processing Industries के साथ बृहस्पतिवार को 40,000 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए।

कही थी एशिया का सबसे बड़ा फूड पार्क बनाने की बात- पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर यहां विश्व खाद्य भारत 2025 कार्यक्रम में हस्ताक्षर किए गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अगस्त में अपनी वार्षिक आम बैठक में निवेश योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि वह AI-संचालित स्वचालन, रोबोटिक्स और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के साथ एशिया का सबसे बड़ा एकीकृत फूड पार्क बनाएगी।

RCPL, रिलायंस रिटेल से उभरकर रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी है। यह भारत की सबसे तेजी से बढ़ती रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों में से एक बन गई है।

इसकी स्थापना के बाद से केवल तीन वर्ष में इसने 11,000 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। समझौता ज्ञापन के तहत, आरसीपीएल महाराष्ट्र के कटोल, नागपुर और आंध्र प्रदेश के कुरनूल में खाद्य उत्पादों और पेय पदार्थों के लिए एकीकृत सुविधाएं स्थापित करने के लिए 1,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी।

अगस्त की वार्षिक आम बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा था कि RCPL समूह के ''विकास इंजनों'' में से एक है। इसका लक्ष्य वैश्विक उपस्थिति के साथ पांच वर्ष के भीतर एक लाख करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करना है। आरसीपीएल ने 'टैग्ज फूड्स' सहित कई उपभोक्ता ब्रांड का अधिग्रहण किया है।

ढाई साल में 2000% रिटर्न देने वाली कंपनी बांटने जा रही FREE बोनस शेयर, कब है रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विवियाना पावर टेक के शेयर ने बीते ढाई साल में शानदार रिटर्न दिया है। बीते ढाई साल में कंपनी का शेयर 2085 फीसदी चढ़ चुका है। इस दौरान कंपनी का शेयर ह्रस्थ्र पर 70 रुपये से 1550 रुपये पर पहुंच चुका। इससे निवेशकों का पैसा 21.85 गुना हो गया।

अब विवियाना पावर टेक ने बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। आगे जानिए कब है इसके बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट।

कितने शेयरों पर कितने बोनस शेयर- कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने आज यानी गुरुवार 25 सितंबर 2025 को आयोजित अपनी मीटिंग में 3ञ्5 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने पर विचार किया और शेयरधारकों की मंजूरी के लिए सिफारिश की। यानी बोर्ड बोर्ड ने 3ञ्5 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। 3ञ्5 के रेशियो का मतलब है कि हर 5 शेयरों के बदले 3 बोनस शेयर दिए हैं।

हालांकि अभी इस प्रस्ताव के लिए पोस्टल बैलट के जरिए शेयरधारकों की मंजूरी ली जाएगी।

विवियाना पावर टेक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने अभी रिकॉर्ड डेट पर कोई फैसला नहीं लिया। पोस्टल बैलेट और रिकॉर्ड डेट की सूचना अलग से दी जाएगी। हालांकि इस पॉजिटिव खबर के बावजूद विवियाना पावर टेक का शेयर आज गिर गया। आज करीब 3 बजे कंपनी का शेयर 99 रुपये या 6 फीसदी फिसलकर 1550 रुपये पर आ गया।

सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस आईपीओ और आनंद राठी आईपीओ किस आईपीओ से होगी ज्यादा कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्राइमरी मार्केट के दो आईपीओ काफी चर्चा में चल रहे हैं। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस आईपीओ और आनंद राठी आईपीओ दोनों ही आज शाम 5 बजे तक क्लोज हो जाएंगे। ये दोनों ही निवेशकों के बीच काफी चर्चा में चल रहे हैं।

आज हम आपको इस आर्टिकल के माध्यम बताएंगे कि कौन-से आईपीओ में निवेशकों को ज्यादा मुनाफा होने वाला है या कौन-सा आईपीओ ज्यादा कमाई करने वाला है। किसी भी आईपीओ में कितना मुनाफा होगा, इस बात का अंदाजा जीएमपी से लगाया जाता है। हम दोनों आईपीओ के जीएमपी की मदद से समझेंगे कि कौन ज्यादा मुनाफा दे सकता है।

25 सितंबर को सोलर वर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस आईपीओ का जीएमपी 52 रुपये चल रहा है। इससे 14.81 फीसदी का मुनाफा हो सकता है। वहीं आनंद राठी आईपीओ का जीएमपी 45 रुपये दर्ज किया गया है। इससे 10.64 फीसदी लाभ मिलने की उम्मीद है।

अब इन दोनों आईपीओ के बारे में बेसिक जानकारी देख लेते हैं।

लॉट साइज- 42 इक्विटी शेयर्स

इस आईपीओ को खरीदने के लिए निवेशकों को 14,742 रुपये खर्च करने होंगे। इस आईपीओ का लॉट साइज 42 शेयर्स का है। इसका प्राइस बैंड 333 रुपये से 351 रुपये दर्ज किया गया है। इसका इश्यू प्राइस 351 रुपये का होगा। 52 रुपये जीएमपी के हिसाब से इसका लिस्टिंग प्राइस 403 रुपये प्रति शेयर हो सकता है।

कंपनी 4400 मिलियन फ्रेश इश्यू और 500 मिलियन ऑफर फॉर सेल के तहत शेयर्स जारी करने वाली है।

टैक्सपेयर्स के लिए बड़ी राहत, बढ़ाई गई टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की डेडलाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टैक्सपेयर्स के लिए राहत भरी खबर है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी है। अब करदाताओं को अपनी ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की नई समय सीमा 31 अक्टूबर 2025 तक दी गई है। पहले यह तारीख 30 सितंबर 2025 थी। इस निर्णय का उद्देश्य करदाताओं को रिपोर्ट तैयार करने और दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय देना है, ताकि वे सभी जरूरी डॉक्यूमेंट्स और डिटेल सही तरीके से प्रस्तुत कर सकें।

बता दें कि CBDT ने पहले करदाताओं को रिपोर्ट फाइल करने की समय सीमा निर्धारित की थी, लेकिन बढ़ते काम के दबाव और प्रशासनिक कारणों से इसे आगे बढ़ा दिया गया है। यह कदम उन व्यवसायों और पेशेवरों के लिए राहत देने वाला है जिन्हें ऑडिट रिपोर्ट तैयार करने में समय की चुनौती का सामना करना पड़ रहा था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर इन्कम टैक्स विभाग ने एक पोस्ट में जानकारी दी है कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने पिछले वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए विभिन्न ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की निर्धारित तिथि बढ़ा दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सतना में मैला साफ करने सीवर लाइन में उतरे तीन मजदूरों में एक की मौत, दो गंभीर रुप से घायल

सतना। जिला में मैला सफाई के दौरान एक मजदूर की जान गवाने का मामला सामने आई है। सतना नगर निगम क्षेत्र कृपालपुर में सफाई के लिए तीन मजदूर सीवर लाइन की पाइप में उतरें। लेकिन पाइप के अंदर अंदर मीथेन गैस के रिसाव के प्रभाव में आकर तीनों मजदूर अंदर ही बेहोश हो कर फस गए। जिसकी जानकारी लगते ही स्थानीय लोगों द्वारा तीनों मजदूरों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया। लेकिन उनमें से एक मजदूर अमित कुमार कि तब तक जान जा चुकी थी। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हैं।

इनकी कोई पहचान नहीं हो सकीं। इस दौरान लोगों ने शहर सरकार के ऊपर गंभीर आरोप लगाए कि इस घटना की जानकारी लगते ही मौके पर जुटे लोगो ने 112, फायर, नगर निगम, महापौर सभी को इसकी जानकारी दी लेकिन मौके ओर कोई नही पहुंचा। जिससे नाराज लोगो ने मजदूरों की जनन बचने और उन्हें बाहर निकलने की जद्दोजहद में जुट गए और पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने लगे। इसके बाद नगर निगम के अभियंताओं से लेकर महापौर तक सब घटनास्थल पर पहुच गए। हालंकि इस घटना के बाद मजदूरों को बाहर निकालने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाने वाले स्थानीय नागरिक सौरभ सिंह ने कोलगवां थाने में लिखित शिकायत करते हुए संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का शिकायती आवेदन भी दिया है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो 2019 से 2024 के बीच सीवर और सेप्टिक टैंक में उतरने के कारण दिल्ली में ही 37 लोगों की मौत हो चुकी है। ये मौतें तब हुईं, जब सरकार मशीनों से सफाई कराने का दावा करती रही है। वहीं 2019 से अब तक देश भर में 430 लोगों की मौत हो चुकी है। वो भी तब जब बिना उपकरणों के सफाई कराने के खिलाफ कानून मौजूद हैं।

चार दिन में दूसरा हादसा लगातार दूसरी घटना से दहशत का माहौल

सीवर चेंबर में जहरीली गैस से कर्मचारियों की तबीयत बिग?ने का ये दूसरा मामला है। इससे पहले 22 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे महादेव रोड पर क्रिस्तुकुला स्कूल के पास आदर्श शुक्ला और किशन वर्मा सीवर लाइन की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान जहरीली गैस के कारण दोनों बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत अधिकारियों को सूचना दी। दोनों कर्मचारियों को बाहर निकाला। एसडीएम राहुल सिलडयि़ा मौके पर पहुंचे और अपनी गाड़ी से दोनों कर्मचारियों को जिला अस्पताल ले गए थे।

यह हादसा बीते सप्ताह हुई समान घटना के बाद सामने आया है, जिसने सफाईकर्मियों और उनके परिजनों में भारी दहशत फैला दी है। सवाल यह है कि लाखों रुपए खर्च कर खरीदी गई सुरक्षा किट मजदूरों तक क्यों नहीं पहुंचाई जा रही?

2 घायल गायब, पीड़ित के स्वजनों को 50 लाख मुआवजे की मांग

घटना के बाद जिला कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता जिला चिकित्सालय पहुंच गए। जहां उन्हें हादसे में घायल दो मजदूर नदारद मिले, जिनकी जानकारी किसी भी प्रशासनिक अमलें को नहीं थी। जिसके बाद सभी कांग्रेसियों ने मजदूर के पीड़ित स्वजनों को पचास लाख मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए।

कांग्रेसियों ने मौके पर ही दो अन्य घायलों को ठेकेदार पर गायब कराने का आरोप लगाया। जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाहा ने कहा, कलेक्टर से हुई है चर्चा। मामले के सभी दोषियों पर प्रकरण दर्ज कराने और मृतक को मुआवजा दिलाने की मांग रखी गई है । ऐसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएं। शहर सरकार पर कांग्रेसियों ने लगाए आरोप

घटना के बाद कांग्रेसियों ने प्रभारी ईई दीपक बागरी और उपयंत्री हर्षिता बैरागी इस प्रोजेक्ट के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार बताया। कांग्रेसियों ने आरोप लगाते हुए कहा कि मौके पर न तो सुरक्षा किट मिली और न ही कोई सुपरविजन। कंसल्टेंसी के इंजीनियर भी गायब रहे। सवाल यह उठ रहा है कि आखिर करोड़ों की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में सुरक्षा को लेकर इतनी बड़ी लापरवाही क्यों बरती जा रही है? उन्होनें मांग कि है कि इस घटना पर जिम्मेदारों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया जाए।

त्रिवेणी पैलेस के ठेकेदार सौरभ सिंह ने मानवीय पहल करते हुए ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की और अपने साथियों के साथ खुद सीवर में उतरकर बेहोश हुए मजदूरों को बाहर निकाला। इस साहसिक प्रयास की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की।

संबंधित एजेंसी ने अपनी गलती सुधारी है और मजदूर के परिवार को 12 लाख बतौर मुआवजा देने को कहा है। इसके अलावा एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

- योगेश ताम्रकार, महापौर नगर निगम सतना

प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई हाईकोर्ट ने 16 अक्टूबर तक बढ़ाई

भोपाल। प्रदेश सरकार द्वारा बनाए गए नए पदोन्नति नियम को लेकर हाई कोर्ट जबलपुर की सुनवाई में सरकार का जोर इस बात पर है कि नौ वर्ष से प्रदेश में पदोन्नतियां बंद हैं। इससे कर्मचारी हतोत्साहित हैं। सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन प्रकरण को ध्यान में रखते हुए जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक सशर्त पदोन्नति दी जाएगी। यदि सब-कुछ ठीक रहा और निर्णय सरकार के पक्ष में आया तो दिसंबर तक सभी पात्र कर्मचारियों को एक-एक पदोन्नतियां दे दी जाएंगी।

हाई कोर्ट जबलपुर में सरकार की ओर से गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन की अनुपस्थिति को आधार बनाकर सुनवाई की तिथि आगे बढ़ाने का आग्रह किया, जिसे स्वीकार किया गया। सरकार का जोर इस बात पर है कि सशर्त ही सही पर नौ वर्ष से बंद पदोन्नति का सिलसिला प्रारंभ हो जाए। वैसे भी सुप्रीम कोर्ट में मामला विचाराधीन है, इसलिए पदोन्नति दी भी जाती है तो वह अंतिम निर्णय के अधीन ही रहेगी। इसमें किसी को कोई परेशानी भी नहीं होनी चाहिए क्योंकि प्रभावित तो सभी वर्ग के कर्मचारी हो रहे हैं। वहीं, सामान्य वर्ग के याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका को वापस ना लेने पर प्रश्न खड़ा कर रहे हैं। सामान्य पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (सपाक्स) का कहना है कि जब सरकार ने यह मान लिया है कि पुराने नियम दोषपूर्ण थे और हाई कोर्ट ने उन्हें जो निरस्त किया वह सही था तो फिर याचिका वापस लेने में आपत्ति क्या है। जब नियम ही गलत थे तो जो पदोन्नतियां उससे हुईं वे वापस ली जानी चाहिए यानी पदोन्नत अधिकारियों-कर्मचारियों को पदावनत करके वरिष्ठता सूची तैयार की जाए और फिर पदोन्नतियां हों। अभी जो स्थिति है, उसमें तो सामान्य वर्ग का नुकसान ही नुकसान है।

ये पहले ही विसंगतिपूर्ण पदोन्नति नियम के कारण पिछड़ गए हैं और अब फिर वही स्थिति बनाने का प्रयास हो रहा है। जो नए नियम हैं वे भी सामान्य वर्ग के हितों का संरक्षण नहीं करते हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश के नियमित साढ़े सात लाख अधिकारियों-कर्मचारियों में से साढ़े तीन से चार लाख कर्मचारी पदोन्नति के पात्र होंगे। नए नियम बनाने के साथ ही इन्हें पदोन्नति देने की तैयारियां भी विभागों ने प्रारंभ कर दी थी।

विभागीय पदोन्नति समिति के गठन के साथ कर्मचारियों के सेवा अभिलेख के आधार पर प्रस्ताव भी तैयार हो चुके हैं। नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों और विधानसभा सचिवालय ने तैयारी करके रखी है। यदि जल्द ही नियम को हरी झंडी मिल जाती है तो दिसंबर तक पात्र अधिकारियों-कर्मचारियों को एक पदोन्नति दे दी जाएगी। यथास्थिति भी होगी स्पष्ट सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट में यथास्थिति को भी स्पष्ट करने के लिए कहा है। दरअसल, सपाक्स का कहना है कि भले ही नए नियम बना दिए गए हैं लेकिन जब तक यथास्थिति है, तब तक पदोन्नति नहीं हो सकती है। वहीं, सरकारी पक्ष का कहना है कि यथास्थिति संदर्भ में है जिसमें पदोन्नत कर्मचारियों को पदावनत करने की बात उठाई जा रही है। पदोन्नति नियम को लेकर हाई कोर्ट में लगी याचिका के महत्वपूर्ण बिंदु

पदोन्नति नियम को लेकर हाई कोर्ट जबलपुर में गुरुवार को सुनवाई हुई। सरकार ने हाई कोर्ट के निर्देश पर नियम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी है। इसके साथ ही यह भी कहा है कि प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण सशर्त पदोन्नति दी जाएगी।

पदोन्नति नियम को सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने चुनौती है। याचिका में कहा गया है कि जब सरकार ने नए नियम बना लिए हैं तो यह स्पष्ट है कि 2002 के नियम निरस्त करने का निर्णय सही था।

ऐसे में इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका को वापस क्यों नहीं लिया जा रहा है। इससे भ्रम की स्थिति बन रही है।

दरअसल, पुराने नियम से जो पदोन्नतियां हुई हैं, उन्हें सरकार वापस नहीं लेना चाहती है इसलिए याचिका वापस नहीं ली जा रही है। इससे स्थायी समाधान नहीं निकलेगा।

भोपाल हवाई अड्डे पर प्रोटोकाल ड्यूटी कर रहे नायब तहसीलदार दिनेश साहू का हार्ट अटैक से निधन

भोपाल। हवाई अड्डे पर प्रोटोकाल ड्यूटी पर तैनात नायब तहसीलदार दिनेश साहू का दिल का दौरा पड़ने से निधन। ड्यूटी पर ही तबीयत बिगड़ी। निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। गोविंदपुरा में तैनात नायब तहसीलदार को पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत के आगमन पर शिष्टाचार ड्यूटी में तैनात किया गया था।

राहुल गांधी जवान बहन को चौराहे पर चूमते हैं, हमारी संस्कृति में तो बहन के घर का पानी तक नहीं पीते - कैलाश विजयवर्गीय

शाजापुर। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय गुरुवार को शाजापुर में भाजपा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में शामिल हुए यहां उन्होंने केंद्र सरकार में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा निशाना साधा वह बोले कि हमारे नेता प्रतिपक्ष जवान बहन को भी चौराहे पर चुंबन करते हैं। जबकि हम उसे संस्कृति के लोग हैं जहां बहन के घर का पानी तक नहीं पीते। मेरे पिताजी घर से पानी का लोटा तक लेकर जाते थे। पर चुंबन करते हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप में से कौन है, जो अपनी जवान बहन-बेटी को बीच चौराहे पर चुंबन करता है। ये संस्कारों का अभाव है। ये संस्कार तो विदेशी संस्कृति के हैं।

आमजन से जुड़ी शिकायतों के निराकरण में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त - कलेक्टर शिवम वर्मा

अंतर्विभागीय समन्वय समिति एवं टीएल बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

इंदौर। इंदौर जिले में लंबित प्रकरणों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण को लेकर आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में अंतर्विभागीय समन्वय समिति एवं समय-सीमा पत्रों (टीएल) की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी शिकायतों और योजनाओं के प्रकरणों का निराकरण समय-सीमा में किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य, श्रीमती निशा डामोर सहित सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी के मामलों पर सख्ती- बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी सात दिनों में निराकरण की गति में ठोस प्रगति लाई जाए। उन्होंने विशेष रूप से जिला शिक्षा अधिकारी और सहायक श्रम आयुक्त को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में लापरवाही बरतने पर शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अपर कलेक्टरों को भी निर्देशित किया कि वे अपने अधीनस्थ विभागों की लंबित शिकायतों की व्यक्तिगत मॉनिटरिंग करें।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के समाधान का सबसे प्रभावी मंच है। सभी अधिकारी जनसुनवाई के दिन अनिवार्य रूप से कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित रहें और नागरिकों की समस्याएं सुनकर उनका तत्काल सकारात्मक निराकरण करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई के दौरान अन्य बैठकें न की जाएं, ताकि नागरिकों की समस्याएं प्राथमिकता से सुलझाई जा सकें।

बैठक में बताया गया कि सेवा पखवाड़ा का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। समयबद्ध कार्यक्रम हो रहें हैं। बैठक में श्री वर्मा ने पखवाड़े के तहत आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और यह देखा जाए कि हितग्राहियों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचे। साथ ही उन्होंने पखवाड़े के तहत सभी विभागों को अपने-अपने कार्यालयों में स्वच्छता गतिविधियां चलाने, साफ-सफाई बनाए रखने और लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने किसानों को वितरित किए जा रहे खाद की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ने सभी एसडीएम को खाद वितरण पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें समय पर खाद उपलब्ध हो।कलेक्टर श्री वर्मा ने सेवा पखवाड़े के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों की समीक्षा की। बताया गया कि सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। रक्तदान शिविर भी बड़ी संख्या में आयोजित किए गए।

एनएचएआई इंदौर बायपास पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर के कार्य शीघ्र करें पूर्ण- जल संसाधन मंत्री

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इंदौर बायपास पर निर्माणाधीन अर्जुन बरोदा, झलारिया और कनाडिया फ्लाई ओवर का कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए। साथ ही रोड चौड़ीकरण, सर्विस रोड दुरुस्ती और बंद लाइट चालू करने का कार्य भी प्राथमिकता के साथ किया जाए, जिससे यातायात सुचारू हो और ट्रैफिक जाम की समस्या समाप्त हो।

मंत्री श्री सिलावट ने बुधवार को मंत्रालय में एनएचएआई और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर श्री एस.के. सिंह, एमपीआरडीसी के चीफ इंजीनियर श्री राकेश जैन, प्रमुख अभियंता जल संसाधन श्री विनोद कुमार देवड़ा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिलावट ने निर्देश दिए कि लक्षित कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें, जिससे जनता को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

हजारों किलो औषधियों के महायज्ञ की सुगंधित धूप से महक रहा वीआईपी परस्पर नगर...

इंदौर। इंदौर में चल रहे 'अति विशाल नवरात्रि महामहोत्सव' में चल रहे महायज्ञ में औषधियों और यज्ञ सामग्रियों के हवन यज्ञ में पड़ने से उठती सुगन्धित धूप से वीआईपी परस्पर नगर अतिदिव्य महक से महक उठा है। होते मंत्रोच्चार से भक्तों का रोम-रोम झंकृत हो रहा है। यह उठती सुगन्धित दिव्य महक अनेक लोगों के दुख, रोग, संकट व कष्टों का निवारण करते हुए उन्हें समृद्धि प्रदान करने वाली साबित हो रही है। बुधवार को तीसरे दिन भी भक्तों का उत्साह देखते ही बना। भक्तों ने सुबह विशेष साधना के बाद महायज्ञ और फिर देवी भागवत कथा का श्रवण किया।

ये भव्य और अद्वितीय धार्मिक आयोजन 2 अक्टूबर तक वीआईपी परस्पर नगर में कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के सानिध्य में हो रहा है। हजारों भक्त जहां कथा स्थल के बाहर भी डटकर आचार्य श्री के मुख से देवी कथा का श्रवण लाभ ले रहे हैं। वहीं, देर रात तक यहां लाखों भक्त निःशुल्क भोजन का लाभ ले रहे हैं। नवरात्रि के तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की गई। माँ चंद्रघंटा को राक्षसों का वध करने वाला माना जाता है, जिनकी पूजा से साहस व शक्ति में वृद्धि होती है। देवी भागवत कथा में भी मां का वर्णन किया गया। भक्तों ने देवी के जयकारे लगाए, जिसकी गूंज दूर तक सुनाई दी और आसपास का वातावरण भी धर्ममय हो गया। महायज्ञ और देवी भागवत कथा के श्रवण के अलावा भी हजारों भक्तों ने यहां बनाए गए मां पद्मावती के मंदिर और 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन लाभ लिए। ये अलौकिक अनुभव भक्तों को यहां हर दिन हो रहे हैं। तीसरे दिन भी काशी से आए 145 विद्वान पंडितों ने 1 करोड़ कुमकुम अर्चन में से 10 लाख कुमकुम अर्चन की आराधना की। दोपहर 3 से 6 बजे तक विशेष महायज्ञ में जाप के साथ 1 लाख विशेष आहुतियां दी गई, जिसमें देश-विदेश से आए अनुयायियों के साथ शहर और आसपास के सैकड़ों की संख्या में महिलाएं-पुरुष शामिल हुए। इससे पहले सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक विशेष साधना भी हुई।

मंगलवार को लाखों ने किया भोजन प्रसादी का लाभ - नवरात्रि के दूसरे दिन मंगलवार को दोपहर बाद आयोजन स्थल पर कृष्णगिरी पीठाधीश्वर, पूज्यपाद जगतगुरु श्री श्री 1008 आचार्य वसंत विजयानंद गिरिजी महाराज के अनुयायियों की अपार भीड़ उमड़ी। दिन से लेकर देर रात तक करीब 2 लाख लोगों ने व्रत और सामान्य भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट में आंतरिक स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 का हुआ आयोजन; 45 टीमों का हुआ चयन

इंदौर। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) इनोवेशन सेल की राष्ट्रव्यापी पहल, स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के तहत प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट एंड रिसर्च (पीआईईएमआर) ने सात दिवसीय आंतरिक हैकाथॉन का सफल आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में 162 से अधिक टीमों के 1000 से ज्यादा छात्रों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। छात्रों ने ड्रोन तकनीक, हरित प्रौद्योगिकी, स्मार्ट शिक्षा और अन्य नवाचारी क्षेत्रों में अपने अभिनव अनुप्रयोग प्रस्तुत किए। उद्योग और अनुसंधान के विशेषज्ञों से युक्त निर्णायक मंडल ने कठिन मापदंडों पर परखने के बाद 45 उत्कृष्ट टीमों को क्षेत्रीय स्तर के अगले चरण के लिए चुना। निर्णायक मंडल में आईआईटी कानपुर के पूर्व प्रोफेसर सुधीर कामले, इस्पात उद्योग के पूर्व अध्यक्ष निर्मल कुमार जैन और गूगल क्लाउड सलाहकार महेश गुप्ता जैसे दिग्गज शामिल थे।

माता रानी की भक्ति में अपार शक्ति...

इंदौर। नौ रात्रि में माताराणी के पूजन का विशेष महत्व है, माता रानी के दर्शन से कष्ट दूर हो जाते हैं और मां की भक्ति में अपारशक्ति मिलती है, मां के नौ स्वरूपों का दर्शन करने वाले सौभाग्यशाली होते हैं जो भी भक्त नवरात्र के दौरान भक्ति में लींन रहते है वह आत्म शक्ति और आत्म शांति की ओर अग्रसर होते है। यह विचार छावनी पुराना हाट मैदान स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर में मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिवस बुधवार को पूज्य महंत राजेंद्र पुरी जी महाराज ने व्यक्त किया। आयोजक एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा मामा ने बताया कि सोमवार 22 सितंबर से घट स्थापना, ध्वजारोहण कार्यक्रम से इस दिव्य प्रतिष्ठा महोत्सव की शुरुआत हुई। मंगलवार 23 सितंबर को जलाअधिवास संपन्न कराया गया, बुधवार 24 सितंबर को प्रातः 10 बजे से मंत्रोच्चार और पूजन का आयोजन हो रहा है वेद पाठी ब्राह्मणों के द्वारा मंत्रोचार से मंदिर परिसर गूंज रहा है तो दर्शनों में भी क्षेत्र के लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं आज 25 सितंबर दोपहर 12 बजे विद्वान ब्राह्मणों की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पूर्णाहुति संपन्न होगी। 26 सितंबर को शाम 6 बजे ब्राह्मण एवं कन्या भोज के साथ महाप्रसादी का आयोजन में सहभागिता करेंगे।

इंदौर में राठौर समाज की बैठक सम्पन्न, 250 मेधावी विद्यार्थियों का होगा सम्मान

इंदौर। सर्व राठौर समाज, इंदौर द्वारा उभरता राठौर समाज मिशन के अंतर्गत वर्ष 2025 में होने वाले राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर दस्तूर गार्डन, इंदौर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में इंदौर की चारों समाज इकाइयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सामाजिक उत्प्रेरक श्री आर.एन. राठौर ने जानकारी दी कि यह समारोह 5 अक्टूबर 2025 (रविवार) को मधुर मिलन गार्डन, इंदौर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश भर से 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 250 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। इन विद्यार्थियों को सम्मान पत्र, एक लाख रुपए तक की छात्रवृत्ति, एवं घड़ी, लैपटॉप, बैग आदि उपहार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे।

श्री राठौर ने बताया कि यह सम्मान समारोह वर्ष 2017 से निरंतर आयोजित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से अब तक सम्मानित कई विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट, एसडीएम, अपर कलेक्टर जैसे उच्च पदों पर प्रतिष्ठित हुए हैं।

उभरता राठौर मिशन के सेवाधर्मी श्री हरीश राठौर एवं ललित राठौर ने बताया कि इस बैठक में आयोजन से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समाज के सभी सदस्यों से सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया।

बैठक में श्री सकल पंच राठौर समाज संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी विनोद राठौर (दादा), राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष जितेन्द्र राठौर, सकल पंच अध्यक्ष मनोज राठौर, दिलीप राठौर (खरगोन), विजय राठौर (कसरावद), वीरेंद्र राठौर (आष्टा), राजकुमार राठौर (महामंत्री राष्ट्रीय महासभा), राकेश राठौर (अध्यक्ष क्षत्रिय राठौर), जी.एस. राठौर, रामकृष्ण राठौर (निमाड़ इकाई), श्रीमती ललिता राठौर, अर्चना राठौर, रीना राठौर (मुंदी), वरुण देवड़ा, नरेंद्र राठौर (नागदा), अशोक राठौर, शिवनारायण राठौर (जावरा), श्यामलाल

सुरक्षित डिजिटल भारत , स्वच्छ सुजल गाँव विषय पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

इंदौर। इंदौर जिले में सेवा पखवाड़े का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में लगातार कार्यक्रम हो रहे हैं। जिले के स्कूलों में वाद-विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला, पोस्टर निर्माण सहित अन्य गतिविधियां हो रही है। इसी सिलसिले में इंदौर जिले के डकाच्या गांव के शासकीय कन्या हाई स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता सुरक्षित डिजिटल भारत, स्वच्छ सुजल गाँव विषय पर आयोजित की गई। इसमें पक्ष-विपक्ष में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ निर्माण कार्यो की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए माह में दो बार अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाएगा

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए शासन की गाईड लाईन अनुसार निर्माण कार्य पूर्ण किए जाए

उज्जैन । संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने गुरुवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए कि सिंहस्थ निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए और शासन की गाईडलाईन अनुसार निर्माण कार्य समय पर पूर्ण किए जाए। संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संभाग के विभिन्न निर्माण विभागों के अधिकारियों को रैंडम आधार पर चयनित निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया है। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए है कि नियुक्त किए गए अधिकारी प्रत?माह की 10 एवं 25 तारीख को रैंडम आधार पर निरीक्षण कर गुणवता की रिपोर्ट सिंहस्थ पीएमआईएस पोर्टल पर रिपोर्ट अपलोड करे।

बैठक में संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने विभिन्न विभागों के द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्य ,निरंतर गुणवत्तापूर्ण कार्य करते और समय पर निर्माण कार्य पूरे किए जाए। साथ ही शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सिंहस्थ के निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाए। स्वीकृत निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच के लिए चयनित अधिकारियों द्वारा जांच रिपोर्ट पर क्रास चेक भी करवाया जाएगा। उक्त कार्यों में कोई भी अधिकारी लापरवाही न बरतें। लापरवाही करने पर संबंधित अधिकारी के विरुध्द अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

संभागायुक्त श्री सिंह के निर्देशानुसार गुरुवार को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट ने अधिकारियों के साथ हरि?फाटक से रिंगरोड (दाउदखेडी) पर क्षिप्रा नदी समानांतर उच्च स्तरीय वाकणकर ब्रिज का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। यह ब्रिज टू लेन में बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 240 मीटर रहेगी। जिला पंचायत सीईओ ने इसके बाद देवास रोड स्थित नरवर में नवीन विश्रामगृह का निरीक्षण कर निर्माण कार्य में लगने वाले मटेरियल की दबाव सहन करने की क्षमता मापक यंत्र से जांच करवाई गई। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ के अंतर्गत उज्जैन शहर की ओर आने वाले प्रमुख मार्गों पर चार क्रमशः चंदूखेडी ,सौडंग,पंथपिपलई एवं नरवर में नवीन विश्रामगृहों का निर्माण किया जाएगा। इस संबंध में चार मार्गो पर नवीन रेस्टहाउस निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति? 03 करोड़ 44 लाख प्रति विश्रामगृह प्रदान की गई है। नवीन रेस्टहाउस निर्माण कार्य प्रगतिरत है।

250 किशोरियों को चिंता प्रबंधन के प्रति किया गया जागरूक

उज्जैन। कृपा सोशल वेलफेयर सोसायटी उज्जैन द्वारा संचालित आरंभ परियोजना के अंतर्गत शाजापुर, मक्सी, तराना, मालीखेड़ी और अवलिया केंद्रों पर गठित 25 किशोरी समूहों की कुल 250 सदस्याओं को चिंता प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया।

कार्यशाला के दौरान परियोजना के सदस्य श्री संतोष ललावत एवं सुश्री डॉली ने बालिकाओं को चिंता से होने वाले नुकसान, उसके प्रभाव, कारण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही किशोरियों को तनाव से दूर रहने के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए।

विशेष रूप से ध्यान, योगासन और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि तनाव से व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक और मानसिक स्थिति पर गंभीर प्रभाव पड़ता है, इसलिए इसे समय रहते नियंत्रित करना आवश्यक है।

इस कार्यक्रम में परियोजना के सभी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सूचना संस्थान के निदेशक फादर सुनील द्वारा प्रदान की गई।

भैरवगढ़ उन्हेल चौराहा पर भव्य आतिशबाजी के बीच होगा

उज्जैन। परम्परानुसार इस वर्ष भी श्रीराम नवयुवक मण्डल भैरवगढ़ द्वारा रावण दहन एवं दशहरा मिलन समारोह विजयादशमी पर्व पर 2 अक्टूबर 2025 गुरूवार को रात्रि 8 बजे उन्हेल रोड़ चौराहा पर, थाने के पास, उज्जैन पर भव्य रूप से सम्पन्न होगा।

मंडल के संयोजक पूर्व पार्षद संजय कोरट एवं राधेश्याम चौधरी के अनुसार देवास के कलाकार छोटे खान एवं उनकी टीम द्वारा भव्य आतिशबाजी का रंगारंग प्रदर्शन किया जावेगा। इसके पूर्व भगवान श्रीराम लक्ष्मण की सवारी सम्पूर्ण भैरवगढ़ क्षेत्र में भ्रमण करेगी जहां सवारी की जगह जगह स्वागत मंच के माध्यम से होगा। रावण के पुतले का निर्माण कलाकार राजेन्द्र चावड़ा काका एवं भंडारी के निर्देशन में चल रहा है।

नानाखेड़ा पर 3 अक्टूबर को होगा 101 फीट ऊँचे रावण का दहन

उ ज ै न । नानाखेड़ा दशहरा महोत्सव समित द्वारा 3 अक्टूबर को 101 फीट ऊँचे रावण का दहन किया जाएगा। रंगारंग आतिशबाजी के साथ होने वाले रावण दहन समारोह में भगवान राम लक्ष्मण की सवारी मुख्य आकर्षण रहेगी।

समिति संयोजक अभिषेक सिंह सिसौदिया ने बताया कि रावण दहन स्थल का भूमिपूजन 25 सितंबर को मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद समाजसेवी नारायण यादव, विशेष अतिथि कलावती यादव, समिति अध्यक्ष डॉ प्रकाश रघुवंशी, रवि सोलंकी, मंडल अध्यक्ष सतीश सिदल, पार्षद गोपाल अग्रवाल, यशवंत पटेल, सुरेंद्र काबरा, विजय बांगड़ एवं समाज सेवी रोशन यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर तरुण धवन, उदय कानेरकर, रोमिल सिंह सिसौदिया, सुनील मरमट, संजय जोशी, मुकेश यादव, इंद्रजीत गौड़, आनंद गलापुरे, समीर श्रीवास्तव, हिमांशु परमार, विनोद पोरवाल, दीपू मरमट, भविष्य पाटीदार मौजूद थे। नानाखेड़ा दशहरा महोत्सव समिति द्वारा बुराई पर अच्छाई के प्रतीक रावण दहन का यह 21वां वर्ष है।

अन्तरराष्ट्रीय संचेतना महोत्सव में संत ज्ञानेश्वर श्रेष्ठ 55 शिक्षको का होगा सम्मान

उज्जैन। राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना उज्जैन द्वारा आगामी विश्व शिक्षक दिवस पर दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संचेतना महोत्सव का आयोजन 4 एवं 5 अक्टुबर को अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी, अभिनंदन एवं संत ज्ञानेश्वर श्रेष्ठ 55 शिक्षको का सम्मान मराठा मंदिर साहित्य शाखा मुम्बई एवं विश्व हिन्दी प्रचार प्रसार संस्थान पुणे के सहयोग से आयोजित 42वें संचेतना महोत्सव में होगा।

राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. प्रभु चौधरी ने बताया कि समारोह में नार्वे, यूएसए से भी वरिष्ठ साहित्यकार उपस्थित होंगे। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. आफताब अनवर शेख प्राचार्य पुणे, सारस्वत अतिथि डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष उज्जैन, विशिष्ट अतिथि डॉ मीरा सिंह वरिष्ठ साहित्यकार कवित्री यूएसए एवं निर्मलकुमार मेहता पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक बैंक आफ बडौदा मुंबई, डॉ. अलका नाईक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुम्बई, डॉ. प्रियंका सोनी कवयित्री राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जलगांव, मुख्य वक्ता डॉ. शाकिर शेख प्रदेश महासचिव पुणे, विशिष्ट वक्ता सुवर्णा जाधव राष्ट्रीय मुख्य संयोजक पुणे रहेंगे। अध्यक्षता डॉ. दक्षा जोशी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अहमदाबाद करेंगे। प्रतिवेदन डॉ. प्रभु चौधरी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री उज्जैन प्रस्तुत करेंगे। संचालन माया मेहता मुंबई अध्यक्ष आयोजन समिति करेगी व आभार

डॉ. बालासाहेब तोरस्कर अध्यक्ष प्रदेश महाराष्ट्र मानेंगे। अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय 'भारतीय साहित्य संकल्पना और वैश्विक प्रभाव' होगा। अंतर्राष्ट्रीय संचेतना महोत्सव में श्रेष्ठ शिक्षक सम्मान के पूर्व अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि ब्रजकिशोर शर्मा राष्ट्रीय संरक्षक रा.शि.सं. उज्जैन, सारस्वत अतिथि सुरेशचंद्र शुक्ला शरद आलोक ओस्लो नार्वे एवं विशिष्ट अतिथि नितिन एस. विचारे अध्यक्ष मराठा मंदिर मुंबई, डॉ. सुनीता मंडल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रा.शि.सं. कोलकाता, सुवर्णा पंवार सदस्य मराठा मंदिर मुंबई, मुख्य वक्ता डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष रा.शि.सं. उज्जैन, विशिष्ट वक्ता प्रिया मयेकर साहित्यकार मुम्बई, डॉ. शाकिर शेख प्रदेश महासचिव रा.शि.सं. महाराष्ट्र अध्यक्षता सुवर्णा जाधव राष्ट्रीय मुख्य संयोजक रा.शि.सं. पुणे, अतिथि परिचय डॉ. प्रभु चौधरी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री उज्जैन, प्रस्तावना डॉ. शहेनाज शेख राष्ट्रीय महासचव रा.शि.सं. नांदेड, स्वागताध्यक्ष डॉ. बालासाहेब तोरस्कर अध्यक्ष रा.शि.सं. प्रदेश महाराष्ट्र एवं संचालक समंगला सुमन सचिव विश्व शिक्षक दिवस समारोह रहेंगे।

समारोह में सुरेश चंद्र शुक्ला शरद आलोक, ओस्लो नार्वे को अंतरराष्ट्रीय साहित्य सेवा सम्मान 2025 एवं सुवर्णा जाधव पुणे को संत ज्ञानेश्वर अंतरराष्ट्रीय श्रेष्ठ हिंदी भाषा एवं नागरी लिपि सेवा सम्मान 2025 प्रदान किया जाएगा।

समारोह में अंतर्राष्ट्रीय बहुभाषी काव्य गोष्ठी के मार्गदर्शक मुख्य अतिथि डॉ. दक्षा जोशी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रा.शि.सं. अहमदाबाद, विशिष्ट अतिथि नरेन्द्रसिंह परिहार, संपादक दिवान मेरा नागपुर, निवेदिता देशमुख सदस्य मराठा मंदिर मुंबई, सुंदरलाल मालवीय, राष्ट्रीय संयुक्त सचिव उज्जैन अध्यक्षता माया मेहता अध्यक्ष आयोजन समिति मुंबई, मुख्य वक्ता रोशनी किरण उपाध्यक्ष समारोह समिति, मुम्बई, विशिष्ट वक्ता अनीता चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष रा.शि.सं. महाराष्ट्र, डॉ. अरूणा शुक्ला राष्ट्रीय संयोजक रा.शि.सं. नांदेड, प्रस्तावना डॉ. मुक्ता कौशिक राष्ट्रीय प्रवक्ता रा.शि.सं. रायपुर, स्वागताध्यक्ष डॉ. सुशिला पाल समिति उपाध्यक्ष रा.शि.सं. मुम्बई आदि।

महाराजा अग्रसेनजी के गूंजे जयकारे, पालकी में निकली माता महालक्ष्मी

उज्जैन। श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेनजी की जयंती के उपलक्ष्य में श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल, पंचायत न्यास, महिला मंडल एवं विभिन्न संस्थाओं द्वारा 10 दिवसीय महाराजा अग्रसेन जयंती के समापन पर अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में भव्य चल समारोह निकाला गया। चल समारोह में महाराजा अग्रसेनजी एवं माता महालक्ष्मी सुंदर पालकी में विराजित हुए। विंटेज कार में महाराजा अग्रसेनजी की वेश भूषा के साथ समाज के राजेश अग्रवाल, बग्गियो में महाराजा अग्रसेन एवं अठरा गोत्र की तस्वीर, बेंड बाजे, आतिशबाज़ी, नासिक ढोल, झाझ टीम, कड़ा बीन, केसरी झंडो के साथ भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे पूरे अग्रवाल समाज के महिला एवं पुरुष वर्ग ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। समाजगणों द्वारा विभिन्न स्थानों पर अग्रसेनजी का पूजन अर्चन किया गया।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष आयुष अग्रवाल ने बताया की चल समारोह के बाद शहनाई गार्डन पर मुख्य समारोह एवं महाप्रसादी का आयोजन रखा गया। जिसमें भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि राजेश अग्रवाल वैश्य समाज के संभाग प्रभारी रहे। अध्यक्ष आयुष अग्रवाल ने वर्ष भर नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित गतिविधियो का ब्योरा समाजजनों को दिया जिसमे दशहरा मिलन समारोह, ब्लड बैंक का निर्माण, जरूरत मंदो को दीवाली गिफ्ट हैंपर, रोजगार ग्रुप का निर्माण, सनातन जाग्रति यात्रा, समाज का कैलेंडर, नववर्ष पर अग्रसेनजी एवं महालक्ष्मीजी की महाआरती, होली मिलन समारोह, खाटूश्यामजी भजन संध्या एवं भोजन आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com